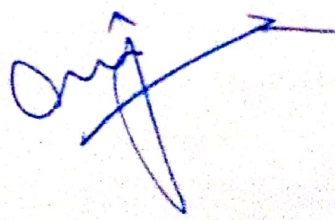



03/03/2021

पत्रावली प्रकृत-1 वदल चुनी गई।
 पत्रावली-यु उपलब्ध होतोपेय
 का अवलोकन किया गया।
 विक्रीगण द्वारा प्र.प. का पत्र
 तथा किया गया न ही प्रकृत में
 आज लिखा है. विदित हुआ कि
 संयुक्त व्यवस्था में ही सेवा है
 विक्रीगण द्वारा किया गया
 कृपया आजीवत के किसी विशेष
 म. आज का अर्थ का प्रकृत
 जो भी लेखक से प्रकृत तक
 किया जा सकता है मिले प्रकृत
 को प्रकृत की प्रकृत के
 व्यवस्था के तब विदित
 प्रकृत ही प्रकृत प्रकृत
 प्रकृत तब सुविधा प्रकृत प्रकृत
 का प्रकृत में प्रकृत प्रकृत
 प्रकृत का प्र.प. 212 R.T.A प्रकृत
 किया जाता है तब आदेश
 प्रकृत प्रकृत 29.06.2020 तब
 प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत
 प्रकृत की प्रकृत है तब प्रकृत
 प्रकृत के प्रकृत तक विक्रीगण
 प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत
 प्रकृत प्रकृत है कि प्रकृत प्रकृत
 प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत 10
 प्रकृत प्रकृत 232 प्रकृत 0.5600 प्रकृत



संवत् १९८१ साल १ की आरणी नम्बर
 २२४ रकबा ०.२५०० हेक्टर २५ मि. च
 क्षेत्रफल बाबत रेकॉर्ड संवत् १९८१ की
 अधिनियम क्रमांक ३९ में निम्न प्रकृत
 का परिवर्तन करते हुए नया नम्बर
 दिनांक १९८१ के माध्यम से
 निर्धारित न्यायालय लिखित जायज
 सुनवाई तथा पत्राचार के लिये
 बाबत नम्बर १ का काम होना